

**ग्रसाधार**ण

### EXTRAORDINARY

भाग 1--- खण्ड 1

PART 1-Section 1

प्राणिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 174] तई विल्ली, बृहस्पतिबार, ग्रम्तूबर, 15, 1970/ग्राध्विन 23, 1892

No. 174] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 15, 1970/ASVINA 23, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप में एखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS AND MINES & METALS

(Department of Mines and Metals)

#### RESOLUTION

New Delhi, the 12th October 1970

No. CI-18(II)/70.—The Government of India have been considering for some time past the question of formulating a long term Fuel Policy. The Energy Survey Committee, in their 1965 Report, found that our energy resources are adequate, but not abundant. They recommended that it was desirable to keep under review the trends in energy consumption as circumstances change. The energy consumption pattern indicates a growing dependence on liquid fuels although indigenous coal resources are available in abundance. It is considered necessary to evaluate all the available fuel resources in the country with a view to optimise utilisation of the same. Hence the Government have decided to set up a high level Fuel Policy Committee. The Committee will consist of the following:—

Chairman.

- 1. Shri R. Venkataraman, Member (Industry), Planning Commission.
- Members.

  2. Shri M. Dutta Chowdhury, Professor of Transport Economics, Delhi School of Economics, Delhi.
- 3. Vice Chairman, Central Water & Power Commission, New Delhi-

- 4. Dr. M. G. Krishna, Director, Indian Institute of Petroleum, Dehradun.
- 5. Dr. A. Lahm, Director, Central Fuel Research Institute, Dhanbad.
- 6. Shri R. Lail, Managing Director, Bengal Coal Company Ltd., Calcutta.
- Shri B. S. Negi, Member (Exploration), Oil and Natural Gas Commission. Dehradun.
- 8. Dr. Kirit Parikh, Director, Programme Analysis Group, Atomic Energy Commission, Bombay.
- 9. Dr. B. Ramamurti, (Statistician, lately of ECAFE).
- Shri K. Vaidyanathan, Additional Member (Mechanical), Railway Board, New Delhi.
- 11. Shri Rasiklal Wohra, President, Indian Colliery Owners Association, Dhanhad
  - Shri T. L. Sankar, Deputy Secretary, Department of Mines and Metals, will act as the full time Secretary of the Committee.
- 2. The terms of reference of the Committee will be as follows:--
  - (a) Undertake a survey of fuel resources and the regional pattern of then distribution;
  - (b) Study the current trends in exploitation and use of fuels;
  - (c) Estimate prospective demand by sectors (in particular the transport industry, power generation industry and domestic fuel) and by regions;
  - (d) Study the efficiency in the use of fuel, and recommend--
    - (i) the outline of a national fuel policy for the next fifteen years;
    - (ii) a pattern of consumption and measures, fiscal and otherwise, which would help the best use of available resources; and
  - (iii) the measures and agencies, to promote the optimum efficient use of fuel.
- 3. The Committee will submit its report to the Government of India, Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals), New Delhi, within a priod of one year.

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India Extraordinary for general information.

N. SUBRAHMANYAM, Secy.

# वेद्दोलियम तथा रसायन ग्रीर जान तथा बातु मंत्रासय

(खान तथा **धातु विभाग**) संकल्प नई दिल्ली, 12 श्रक्तूबर, 1970

संख्या को ० 1-13(11)/70.--भारत सरकार विगत समय में दीर्घावधि दंधन नीति बनाने के प्रश्न पर विचार करती था रही है। ऊर्जा सर्वेद्यण समिति ने अपनी 1965 की रिपोर्ट में यह पाया कि ऊर्जा संसाधन पर्याप्त है परन्तु प्रचुर नहीं है। उन्होंने यह सिफारिश की कि जैसे परिस्थितियाँ परिवर्तित होती रहे वैसे ही ऊर्जा उपभोग में प्रवृक्ति को पुनरीक्षणाधीन रखना बांछनीय है ऊर्जा उपभोग पटने तरल वैधनों पर विधित निर्भरता उपविज्ञात करता है यद्यपि स्ववेशी कोयला संसाधन प्रचुर माता में उपलब्ध है। ईंधन संसाधनों का उपयोजन को आणाजनक रखने की वृष्टि से देश में समस्त उपलब्ध ईंधन संसाध ों

का निर्धारण करना श्रावण्यक माना गया है । श्रतः सरकाः ने यह विभिन्न्य किया है कि एक उच्च स्तरीय इँधन-नीति-समिति स्थापित की जाए जिसमें निम्नलिखिश पदाधिकारी होगे :---

#### ग्रध्यक्ष

भी आर् ० बेन्कटारमन, सदस्य (उद्योग) याजना श्रायांग ।

#### सदस्य

- 2. श्री एम० दत्त चीधरी, प्रो० पश्चितन ग्राधिकः दिल्ली स्कूल ग्रीफ इव नामिनसः, दिल्ली ।
- 3. उपाध्यक्ष, केन्द्रीय जल एव शक्ति आयांग, नई दिल्ली ।
- डा० एम० जी० कृष्ण. निदंशक, द्रिस्टियन इत्स्टीस्ट्रेट श्राफ पेट्रोलियम, देहरादूत ।
- डा० ए० लहीरी, निवेशक, केन्द्रीय ईधन अनसंधान संस्थान, धनद.द ।
- श्री आर० लाल, प्रबन्ध निदेशक, बगाम कोल कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता ।
- श्री बीठ एसठ नेगी, सदस्य (समन्वेषण) तेल एव नैसर्गिक गैस आयोग, देहरादून ।
- डा ० कीरित पारिख, निदेशक, प्रोग्रेम ग्रनालिमिस ग्रुप, एटोमिक ऊर्जा १०वांग, वम्बई ।
- 9. डार्बाररामाम्ति, (सास्यकी भूतपूर्व इ.सी. ए एफ ई)
- 10. श्री कें। वैद्यनाथन, प्रतिरिक्त सदस्य (यांत्रिक) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ।
- श्री रसिक लाल बांहरा. श्रध्यक्ष, इण्डियन कोलरी खोनर्स एसोसिएसन, धनबाद ।
- श्री टी ० एल ० गंकर, उप-मचिव, खान तथा धातु विभाग, सिमिति के पूर्ण कालिक मचिव के रूप में कार्य करेंगे ।
- 2. समिति के निर्देश-निबन्धन निम्न प्रकार में हींगे :----
  - (क) ईधन संसाधनो के सबेक्षण का कार्य करेगी एवं उनके बितरण का क्षेत्रीय पेटर्न तैंग्या करेगी :
  - (ख) समुपयोजन एवं ईंधनों के उपयोग में चालू प्रवृत्ति का अध्ययन ;
  - (ग) स्यक्टरा द्वारा तया क्षेत्रों द्वारा पूर्वक्षण मांग का प्रावकतन (विशेषण परिचान उद्योग, शक्ति जनक उद्योग और घरेल् ईप्रम)
  - (ध) इंधन के उपयोग में दक्षता--ग्रध्ययन भ्रार
    - त्रागामी पन्द्रह वर्षों के लिए राष्ट्रीय ईंग्रम मीति की रूप रेखा;

- (2) उपभोग तथा उपायों, वित्तीय श्रीर अन्यया का पैटर्न, जो उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग में सहायता करेगा ;
- (3) ईंबन के परमान्य-दक्षता पूर्ण उनयोग को बढ़ाने के लिए उपाय एवं ग्राभिकरण के लिए सिकारिण देगी ।
- 3. **समि**ति एक वर्ष को कालाव**धि के भ्र**न्दर भारत सरकार, पेट्रोलियम तथा रसायन भीर खान तथा बातु (खान तथा धातु विभाग) मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट देगी ।
  - अ.ोम दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति से सभी सम्पृक्तों को संस्वित किया जाए।

यह भी श्रादेण दिया जाता है कि यह संकल्प सर्व साधारण की सूचना के लिए भारत के राजपन्न के ग्रसादारण श्रोक में अकाशित किया जाए ।

एन० स्वत्राप्यमः सचिव ।